

14/10/25

वकील वादी / उभयपक्ष सम्मूह। वकील वादी ने प्रा०
पत्र पेश कर वाद को वि० / नोट प्रेस में खारिज
कर जाने का निवेदन किया। अतः पत्रावली को
इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रावली
फेराला शुमार नं. से कम की जाकर दाखिल
दफ्तर हो। उभयपक्ष नशदारे से वाद लाने
के लिये स्वतन्त्र रहेंगे।

१५